वाल्यूम 01 » पत्रिका अंक 02

KAIROS

बड्स

बच्चों के लिए एक काथलिक पत्रिका

भारत, संयुक्त राज्य, मध्य पूर्व और हिन्दी संस्करण

इस अंक में

ला सग्रादा फ़मीलिया, बार्सिलोना, स्पेन

पवित्र मिस्सा की तैयारी कैसे करें?

हृदय जो ईश्वर का वचन ग्रहण करे

इस अंक में बड्स

कार्टून

08 यूदस का आत्महत्या करना

12 संत फ्रांसिस जेवियर काब्रिनी

26 मसीह के सितारों की तरह

32 खोया हुआ खजाना

एक्टिविटी

15 बाईबल सुलेख

16 रंग भरिये

20 जीवन का वचन

22 मेरी उपवास-काल (लेंट) की यात्रा

31 पहेली

34 क्रूस-रास्ता शब्द खोज पहेली

कूल काथलिक

04 तीर्थ यात्रा

30 किड कैथोपीडिया – काथलिक विश्वकोश बच्चों के लिए – बाबुल

24 दिव्य द्रष्टि

28 परमेश्वर हमारे दिमाग को अच्छा करना कैसे सिखाते हैं?

06 तुम्हारा हृदय कैसा है?

10 पवित्र मिस्सा की तैयारी कैसे करें?

35 होली ह्यूमर

स्मार्ट किड्स

14 मेरी कहानी

21 मेरा कैनवास

कैरोस बड्स

PATRON
Major Archbishop Mar Raphael Thattil
(Ecclesiastical Advisor, Jesus Youth International)

SPIRITUAL DIRECTOR
Fr Joseph Ezhumayil
(Jesus Youth International Chaplain)

PRINTER AND PUBLISHER
Dr Edward Edezhath

EXECUTIVE DIRECTOR
Dr Midhun Paul
(Jesus Youth International Coordinator)

DIRECTOR, KAIROS MEDIA
Dr Chackochan J Njavallil

EDITOR-IN-CHIEF
Nobin Jose

MANAGING EDITOR
Joshy Joseph, Houston, USA

EXECUTIVE EDITOR
Tania Rose Josun | (editor.buds@jykairosmedia.org)

ISSUE EDITORS
Suby Emmanuel, India | Serena DSouza, USA | Sona Michael, USA

CIRCULATION COORDINATOR
Anto Puthur, Cochin, India +91 96055 11644

ASSOCIATE CIRCULATION COORDINATORS
AUSTRALIA Mintu Vijoy, Melbourne +61 452 538 785
BAHRAIN: Neenu Maria Jibin +973 33715472
BANGLADESH Tias Victor Palma +880 1717-152023
CAMBODIA Sophearong Ravy, Phnom Penh +855 96 426 5472
CANADA Abhilesh Thomas +1 289 952 1785
EAST TIMOR Noevia Maia Amaral +670 7625 5967
GERMANY Anna Paul, Berlin +49 176 83495451
INDIA Austin Michael, Mangalore +91 8277405251
IRELAND Suresh V Joy +353 87 963 0904
ISRAEL Darees Augustine +972 52 441 5530
ITALY Anoop P Varghese +39 3884256258
KUWAIT Rajeev J Chacko, Ahmadi +965 66388310
MALAYSIA Sweety Kamala Prasad +60 162568139
NETHERLANDS Jojo Varghese, Utrecht +31 684974552
NEW ZEALAND Derick Daniel, Auckland +64 29 127 0650
OMAN Sanal +968 92120376
PAKISTAN Asif Emmanuel +92 3022534254
QATAR Sijo C Johny +974 3357 2544
SINGAPORE Savio Francies +65 9021 9798
SRILANKA Sonal Fernando +94 77 3818399
SWITZERLAND Anu Jose +41 799177100
THAILAND Vineeth Andrew +66 86 372 6601
UAE Nelson Varghese +971 50 815 0050
UGANDA Mboowa Ronald +256 706844152
UK Mathachen Maduckakuzhy +44 7969 365686
USA Denny Joseph +1 (832) 640-3106

FINANCE COORDINATOR
Leena Shaju, Cochin, India | +91 62382 79115 | finance@jykairosmedia.org

DESIGN
Manna Media Hub, Delhi, India | info@mannamediahub.com

MAILING ADDRESS
Kairos Media USA
3010 Mason Grove Ln
Pearland, TX,
USA. 77584
+1 832 592 3675

Kairos Media India
No 8/174, Navodaya
Studio Complex,
Thengod P.O,
Cochin, Kerala,
India. Pin: 682030
+91 9895711718

Kairos Media UK
St Charles Street,
Sheffield S9 3WU,
United Kingdom
+44 7969365686

To subscribe to this magazine scan QR code or visit www.jykairosmedia.org

DISCLAIMER: Kairos Media is the mass media initiative of Jesus Youth, an international Catholic movement approved by the Holy See. Kairos Media considers its sources reliable and verifies as much data as possible. However, reporting inaccuracies can occur. Consequently, readers using this information do so at their own risk. While every effort has been made to ensure that information is correct at the time of print, Kairos Media cannot be held responsible for the outcome of any action or decision based on the information contained in this publication/website. The publishers or authors do not give any warranty for the completeness or accuracy of this publications' content, explanation, or opinion. Although persons and ministries mentioned herein are believed to be reputable, neither Kairos Media nor any of its employees, sales agents, or contributors accept any responsibility whatsoever for such persons and ministries activities. No part of this publications and/ or website may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form without prior written permission from Kairos Media. Permission is only deemed valid if approval is in writing.

@kairosbuds
@kairosbuds
@kairosbuds

संपादकीय

गहरे विश्वास की ओर रचनात्मक कदम

दिसंबर के काइरोस बड्स के ठीक केंद्र में एक विशेष आगमन काल कैलेंडर (Advent Calendar) था, जिसने बच्चों को हर दिन एक नया गुण सीखने और अपनाने में मदद की।

कुवैत से जिस्स और उनकी 8 वर्ष की बेटी हेइरा ने एक बेहद रचनात्मक विचार अपनाया। उन्होंने हर दिन के गुण को एक छोटी एनिमेटेड कहानी में बदल दिया। जिस ने दृश्य तैयार किए और हेइरा ने अपनी आवाज से कहानियों को जीवंत बना दिया। बिना एक भी दिन छोड़े, उन्होंने ऐसे वीडियो बनाए जो मजेदार, सरल और अर्थ से भरपूर थे। हेइरा की माँ, चिन्नू, जो एक अंग्रेजी शिक्षिका हैं, ने स्क्रिप्ट की जाँच की और आवाज के उतार–चढ़ाव में भी मदद की।

मस्कट से भाई–बहन एजिन और एज़ा को भी ये गतिविधियाँ (activities) बहुत पसंद आईं। हर दिन काम पूरा करने के बाद वे उसे अपनी डायरी में चित्र बनाकर रंग भरते थे। उनके माता–पिता ने बताया कि इससे क्रिसमस की तैयारी और भी रोमांचक बन गई और बच्चे बड़े दिन का बेसब्री से इंतजार करने लगे।

मस्कट की ही जेस्सा और लिसा ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उनके माता–पिता ने गतिविधियाँ करते हुए उनके वीडियो रिकॉर्ड किए और एक सुंदर वीडियो साझा किया, जिसमें बच्चों की खुशी साफ झलकती थी।

हमें यह देखकर बहुत आनंद होता है कि माता–पिता अपने बच्चों के साथ मिलकर विश्वास में रचनात्मकता को बढ़ा रहे हैं। काइरोस बड्स इसमें आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार है–तो बच्चों को येसु की ओर करीब लाने के लिए अपने मजेदार और नए विचार हमें जरूर भेजें।

✨प्रेम के छोटे–छोटे कार्य एक बड़ा परिवर्तन लाते हैं!

Nobin Jose
मुख्य संपादक
nobin.jose@jykairosmedia.org

ला सग्राादा फ़मीलिया, बार्सिलोना, स्पेन

- क्लेयर शेली » 8 वर्ष

आप अब इतिहास की सबसे ऊँची चर्च की कहानी पढ़ने जा रहे हैं! क्या आप जानते हैं कि दुनिया के सबसे ऊंचे चर्च का निर्माण वर्ष 1882 से चल रहा है और इसके 2034 तक पूरा होने की संभावना है? यह चर्च स्पेन के बार्सिलोना शहर में स्थित सग्रादा फमीलिया है।

1882 में इस परियोजना की रूपरेखा फ्रांसिस्को दे पाउला डेल विल्लार ने तैयार की थी। बाद में इस कार्य को प्रसिद्ध वास्तुकार अंतोनी गौदी ने संभाला, जिन्होंने चर्च की रूपरेखा और निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी मृत्यु के बाद भी कई अन्य लोगों ने इस कार्य को आगे बढ़ाया।

19 मार्च 1882 को बिशप उरक्विनाओना ने चर्च की आधारशिला रखी। 1885 में क्रिप्ट में संत जोसेफ की चैपल का उद्घाटन हुआ और पहली पवित्र मिस्सा रखी गई। 1936 में स्पेनिश गृहयुद्ध के दौरान सग्रादा फमीलिया पर हमला हुआ। गौदी की कई योजनाएँ और तस्वीरें जला दी गईं और प्लास्टर प्रतिरूप तोड़ दिए गए। 1939 में, युद्ध से बचाई गई योजनाओं के आधार पर फिर से निर्माण कार्य शुरू किया गया। 2005 में, जन्म मुखभाग और भूमिगत कक्ष को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। 7 नवंबर 2010 को पोप बेनेडिक्ट सोलहवें ने इस बेसिलिका को धार्मिक आराधना के लिए समर्पित किया और इसे एक लघु बेसिलिका घोषित किया।

सग्रादा फमीलिया के निर्माण और डिजाइन में हमारी काथलिक आस्था से जुड़ा गहरा प्रतीकात्मक अर्थ छिपा है। इस बेसिलिका में कई अग्रभाग (भवन के मुख) होंगे, जिनके विषय मुक्ति के इतिहास से जुड़े हैं। ये अग्रभाग हैं–प्रभु का जन्म, दु:खभोग, और महिमा। इनमें सबसे बड़ा प्रभु की महिमा का मुखभाग है, जो येसु की महिमा को दर्शाता है। यह ईश्वर तक पहुँचने के मार्ग को दिखाता है–मृत्यु, अंतिम न्याय और महिमा–जबकि नरक उन लोगों के लिए है जो ईश्वर की इच्छा से मुँह मोड़ लेते हैं। इसी मुखभाग से मुख्य सभागार में प्रवेश होता है। इस अद्भुत चर्च में कुल अठारह मीनारें होंगी। ये बारह प्रेरितों, चार सुसमाचार लेखकों, कुँवारी मरियम और सबसे ऊँची–येसु मसीह का प्रतिनिधित्व करेंगी। 2023 तक तेरह मीनारों का निर्माण पूरा हो चुका था–जन्म पक्ष पर प्रेरितों की चार, सुखभोग पक्ष पर चार, सुसमाचार लेखकों के लिए चार और माता मरियम के लिए एक। हमारे प्रभु येसु मसीह की मीनार पूरी होने पर यह चर्च 172.5 मीटर की ऊँचाई के साथ दुनिया की सबसे ऊँची चर्च बन जाएगी। येसु मसीह की केंद्रीय मीनार के 2026 की शुरुआत तक पूर्ण होने की योजना है।

पूरा चर्च, आंतरिक सजावट और अन्य विवरणों सहित, 2034 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह अत्यंत रोमांचक होगा कि हम एक ऐसी चर्च के समर्पण के साक्षी बनें, जिसका निर्माण 150 से अधिक वर्षों से चल रहा है और जो दुनिया की सबसे ऊँची चर्च होगी!

तुम्हारा हृदय कैसा है?

- ऐनमैरी बॉन

पिछले अंक में हमने दृष्टांतों (Parables) का अर्थ समझा था। इस अंक में हम बीज बोने वाले के दृष्टांत पर ध्यान करेंगे।

बीज बोने वाले का दृष्टांत हमें बताता है कि हमारे हृदय चार अलग–अलग अवस्थाओं में हो सकते हैं और ये अवस्थाएँ इस बात को प्रभावित करती हैं कि हम ईश्वर के वचन को कैसे ग्रहण करते हैं।

1 पहली अवस्था रास्ते जैसी होती है।

इसका अर्थ है कि हृदय पूरी तरह से ईश्वर के वचन के लिए बंद है। ऐसा हमारे द्वारा किए गए पापों या विश्वास से जुड़े किसी दुखद अनुभव के कारण हो सकता है। यदि तुम्हारा हृदय इस अवस्था में है, तो यह जान लो कि येसु तुम्हें करुणा से देखते हैं।

वे तुम्हें जैसे हो वैसे ही प्रेम करते हैं और तुम्हें अपना हृदय उनके लिए खोलने का निमंत्रण देते हैं।

2 दूसरी अवस्था पथरीली भूमि जैसी होती है।

कभी–कभी हम विश्वास के प्रति बहुत उत्साह और जोश महसूस करते हैं और पूरे मन से येसु का अनुसरण करना चाहते हैं। लेकिन जब लोग हमें गलत समझते हैं या हमारे विश्वास के कारण हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, तो हम प्रार्थना करना या विश्वास के अनुसार जीना छोड़ने का मन बना सकते हैं।

याद रखो, येसु तुम्हारे साथ हैं। वे तुम्हारी कठिनाइयों को देखते हैं और तुम्हें धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं।

3 तीसरी अवस्था काँटों वाली भूमि जैसी होती है।

यहाँ हमारा हृदय बँटा हुआ होता है। एक ओर हम येसु का अनुसरण करना चाहते हैं और सुसमाचार के अनुसार जीना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर पढ़ाई, काम, मित्रता और भविष्य की चिंताएँ हमें घेर लेती हैं। ये चिंताएँ हमें इतना व्यस्त कर देती हैं कि हम येसु के साथ अपने संबंध को समय नहीं दे पाते। हम प्रार्थना या संस्कारों के लिए समय नहीं निकाल पाते।

हम प्रार्थना या संस्कारों के लिए समय नहीं निकाल पाते। येसु हमें यह बताना चाहते हैं कि वे हमारी सारी आवश्यकताओं—सांसारिक और आत्मिक—का ध्यान रखते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि हम उन्हें अपने जीवन में सबसे पहला स्थान दें।

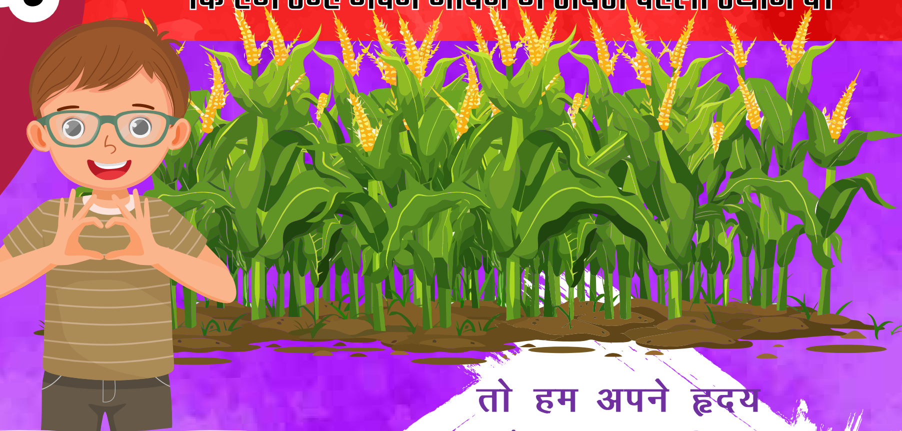

4 चौथी और अंतिम अवस्था उपजाऊ मिट्टी जैसी होती है।

यहाँ ईश्वर का हर वचन बहुत फल देता है। यदि हमारा हृदय इस अवस्था में है, तो हम येसु की तरह जीवन जीएँगे और संसार के लिए प्रकाश बनेंगे।

तो हम अपने हृदय को उपजाऊ मिट्टी कैसे बना सकते हैं?

हर महीने पाप स्वीकार (Confession) करना, पवित्र मिस्सा में भाग लेना और शुध्द हृदय से पवित्र परमप्रसाद ग्रहण करना, भक्ति के साथ रोजरी करना, युखारिस्तिक आराधना में भाग लेना और व्यक्तिगत प्रार्थना करना—ये सभी हमारे हृदय की मिट्टी को अनुग्रह से समृध्द बनाते हैं।

यूदस का आत्महत्या करना

– सन्त मत्ती 27:1-10

– सिस्टर सुमा थॉमस CSM

ILLUSTRATIONS: SOOSANNA JAXON

प्रिय बच्चों और दोस्तों,

पिछले अंक में हमने पवित्र मिस्सा को बेहतर ढंग से समझा और जाना कि यह हमारे जीवन में इतना महत्वपूर्ण क्यों है। इस बार हम यह सीखेंगे कि पवित्र मिस्सा के लिए हमें कैसे तैयार होना चाहिए।

पवित्र मिस्सा के लिए तैयारी कैसे करें?

सबसे पहले कुछ बातें स्पष्ट कर लें। पवित्र मिस्सा हमारे आध्यात्मिक जीवन का केंद्र है। कई लोग सोचते हैं कि हमें कितनी बार मिस्सा में जाना चाहिए। यह सही है कि हमें रविवार और अनिवार्य पर्वों पर बिना किसी कारण के मिस्सा में अवश्य जाना चाहिए। लेकिन यदि हो सके, तो प्रतिदिन मिस्सा में जाना सबसे अच्छा और उत्तम है।

जरा सोचिए–क्या आप अपने सबसे अच्छे मित्र से हर दिन मिलना और उसके साथ समय बिताना नहीं चाहेंगे? जब हम किसी से रोज जुड़ने का प्रयास करते हैं, तो यह दिखाता है कि वह हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण है। यही बात येसु के साथ भी है।

अब सवाल यह है–मिस्सा वास्तव में कब और कहाँ से शुरू होता है?

आध्यात्मिक रूप से मिस्सा हमारे हृदय से शुरू होता है।

किसी भी विशेष अवसर के लिए हम पहले से तैयारी करते हैं, है ना? जैसे यदि हमें किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलना हो, तो हम पहले से ही उत्साहित रहते हैं और तैयारी करते हैं। उसी तरह, मिस्सा की तैयारी भी आदर्श रूप से पिछली रात से शुरू होनी चाहिए। कई संतों ने यही सिखाया है।

रात में थोड़ा सा आत्म–परीक्षण करें– क्या हम ईश्वर की कृपा की अवस्था में हैं? क्या हमें पाप स्वीकार (Confession) की आवश्यकता है? हमारी गलतियाँ और कमियाँ क्या हैं?

पवित्र मिस्सा की तैयारी कैसे करें?

- फादर जस्टिन जोसेफ पनाचिक्कल MSFS

अगले दिन की मिस्सा के पवित्र शास्त्र के पाठ पहले से पढ़ लें। जो बात हृदय को छुए, उसे याद रखें। इससे पाठ और उपदेश (होमिली) को समझना आसान होगा।

उस दिन के संत या विशेष पर्व के बारे में जानने की कोशिश करें।

यदि मिस्सा सुबह है, तो कपड़े पहले से तैयार रखें, समय पर सोएँ और ताजा मन से उठें ताकि हड़बड़ी न हो।

मिस्सा से पहले कम से कम एक घंटे का उपवास रखें (यह नियम पवित्र भोज से पहले का है)।

मिस्सा के दिन ध्यान रखने योग्य बातें -

मिस्सा को दिन की पहली प्राथमिकता बनाएं

इसे जल्दबाजी में न निपटाएँ।

कम से कम 10 मिनट पहले चर्च पहुँचें, ताकि मन शांत हो और प्रार्थना के लिए तैयार हो सकें।

मोबाइल फोन साइलेंट या **DND** मोड पर रखें और मिस्सा के दौरान बिल्कुल न देखें।

चर्च में शांति बनाए रखें, च्युइंग गम या कोई भी खाना न खाएँ।

अपनी प्रार्थनाएँ और उद्देश्य तैयार रखें

मिस्सा में आने से पहले येसु से कहें– "प्रभु, मैं आज आपके पास क्यों आया/आई हूँ।"

एक मुख्य उद्देश्य और अन्य छोटी प्रार्थनाएँ अपने हृदय में तैयार रखें।

इन्हें ऑफर्टरी (भेंट) के समय ईश्वर को अर्पित करें।

पहनावा और व्यवहार

सादे, सभ्य और मर्यादित कपड़े पहनें।

याद रखें, हम किसी फैशन शो में नहीं, बल्कि ईश्वर से मिलने आए हैं।

ऐसे कपड़े न पहनें जो दूसरों का ध्यान भटकाएँ–

ज्यादा लिखावट, चित्र या अनुचित पहनावा न हो।

सोचिए, यदि हमें पोप, राष्ट्रपति या किसी इंटरव्यू में जाना हो, तो हम कैसे कपड़े पहनेंगे?

खुद से पूछें क्या मेरा पहनावा पवित्र है?

चर्च में आचरण

चर्च में प्रवेश करते समय पवित्र जल से क्रूस का चिन्ह बनाएँ।

पवित्र युखारिस्त के सामने घुटने टेकें (Genuflect) या झुकें।

सम्मान और श्रद्धा के साथ बैठें, खड़े हों और समुदाय के साथ भाग लें।

अंत में बस इतना याद रखें -

पवित्र मिस्सा के लिए

पवित्रता (Purity) प्रार्थना (Prayer)

शांति (Peace) समय की पाबंदी (Punctuality)

संत फ्रांसिस जेवियर काब्रिनी - भाग 1

मारिया फ्रांसेस्का काब्रिनी का जन्म 15 जुलाई 1850 को इटली के लोम्बार्डी प्रांत के छोटे से नगर सांत'आंजेलो लोदिजियानो में हुआ। वे आगोस्तीनो काब्रिनी और स्टेला ओल्दिनी की तेरहवीं संतान थीं। तेरह बच्चों में से केवल चार ही बड़े होकर जीवित रह सके। फ्रांसिस का जन्म समय से पहले हुआ था और वे जीवन भर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती रहीं।

फ्रांसिस के माता–पिता धार्मिक थे और उनके पिता अक्सर उन्हें मिशनरियों की कहानियाँ सुनाया करते थे। इन कहानियों ने फ्रांसिस के हृदय में एक विशेष प्रेरणा जगा दी। वह फूलों से भरी कागज की नावें बनाकर नदी में बहाती थीं और उन्हें "मिशनरी" कहती थीं, यह कल्पना करते हुए कि वे दूर–दराज देशों की ओर जा रही हैं। एक बार वह नदी में गिर गई, लेकिन चमत्कारिक रूप से उन्हें बचा लिया गया।

फ्रांसिस ने छोटी उम्र से ही प्रार्थना करना सीख लिया था। उन्होंने यह अपनी माँ और अपनी बहन रोजा के उदाहरण से सीखा। उन्हें येसु के पवित्र हृदय के प्रति विशेष भक्ति थी। लगभग आठ वर्ष की आयु में फ्रांसिस ने कन्फर्मेशन का संस्कार प्राप्त किया और उन्होंने अनुभव किया कि वे पवित्र आत्मा से गहराई से जुड़ गई हैं।

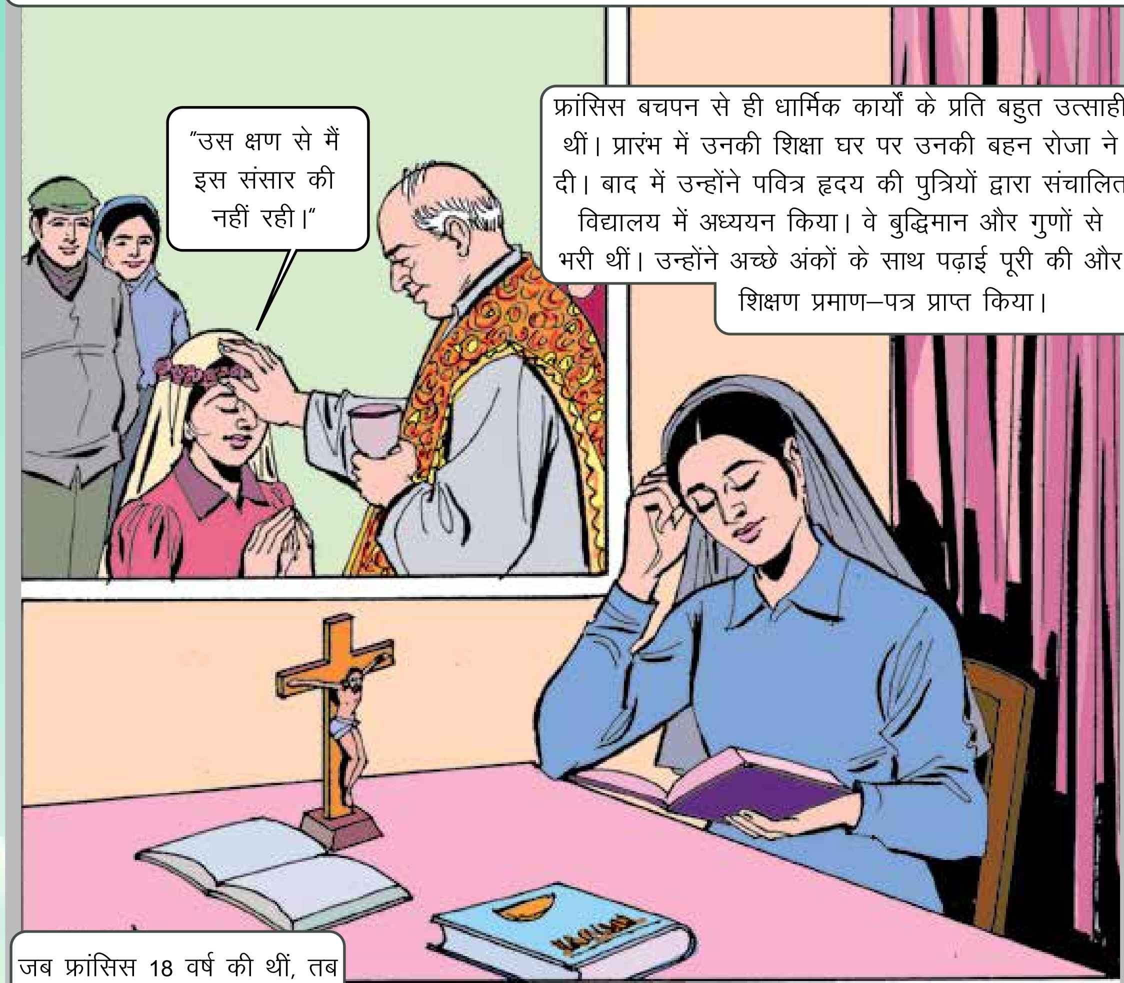

फ्रांसिस बचपन से ही धार्मिक कार्यों के प्रति बहुत उत्साही थीं। प्रारंभ में उनकी शिक्षा घर पर उनकी बहन रोजा ने दी। बाद में उन्होंने पवित्र हृदय की पुत्रियों द्वारा संचालित विद्यालय में अध्ययन किया। वे बुद्धिमान और गुणों से भरी थीं। उन्होंने अच्छे अंकों के साथ पढ़ाई पूरी की और शिक्षण प्रमाण–पत्र प्राप्त किया।

जब फ्रांसिस 18 वर्ष की थीं, तब उन्होंने धार्मिक जीवन में प्रवेश के लिए आवेदन किया। उन्होंने उसी समुदाय–पवित्र हृदय की पुत्रियों–में प्रवेश के लिए आवेदन किया जहाँ से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण उन्हें अस्वीकार कर दिया गया। बाद में उन्होंने कनॉसियन सिस्टर्स में भी आवेदन किया, वहाँ से भी उन्हें स्वास्थ्य कारणों से मना कर दिया गया।

फिर भी फ्रांसिस ने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने ईश्वर पर पूरा भरोसा रखा।

– स्टेफी सिबी ILLUSTRATIONS: MADHU S

मेरी कहानी

ईश्वर ने मेरे दुःख को आनंद में बदल दिया

- इसाबेल मारिया जस्टिन | 8 वर्ष

प्रिय डायरी,
आज मैं पापा से नाराज थी क्योंकि मैं उस फुटबॉल मैच में नहीं जा सकी, जिसका मैं बहुत दिनों से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे जाने नहीं दिया क्योंकि वह रविवार था और मैच पवित्र मिस्सा के समय हो रहा था। मैं मिस्सा के दौरान भी उदास रही, लेकिन फिर पादरी ने कुछ ऐसा कहा जिसने मेरा ध्यान खींच लिया:
"धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।" (सन्त मत्ती 5:4). वे शब्द मेरे दिल को छू गए, और मैंने सब कुछ ईश्वर के हाथों में सौंपने का फैसला किया।

शाम को पापा मुझे फुटबॉल खेलने ले गए। शुरुआत में मैं थोड़ी हिचकिचाई, लेकिन बाद में मान गई। फिर घर लौटते समय उन्होंने कहा, "तुम जानती हो, जैक, मुझे तुम्हें जाने न देने का बहुत अफसोस है, लेकिन तुम जानती हो कि पवित्र मिस्सा में भाग लेना कितना महत्वपूर्ण है, खासकर रविवार को।"

मैंने उत्तर दिया, "हाँ पापा, मैं समझती हूँ। और हाँ, पवित्र मिस्सा में भाग लेना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।"
घर लौटने के बाद मैं बहुत खुश थी और मुझे पता था कि यह सब ईश्वर की कृपा के बिना संभव नहीं था। इस दिन को बिना परेशान हुए बिताना सच में कठिन था, लेकिन ईश्वर ने मुझे सांत्वना दी और मेरे दुःख को आनंद में बदल दिया। शायद अगली बार मैं ऐसा फुटबॉल मैच ढूँढूँगी जो शनिवार को हो।

क्या आपके पास कोई विश्वास का अनुभव है जो आप इस पृष्ठ के लिए भेजना चाहते हैं? उसे अपने पूरे नाम, उम्र और डाक पते के साथ kairosbuds@jykairosmedia.org पर भेजें।

बाईबल सुलेख

"धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।"

– (सन्त मत्ती 5:4)

धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।

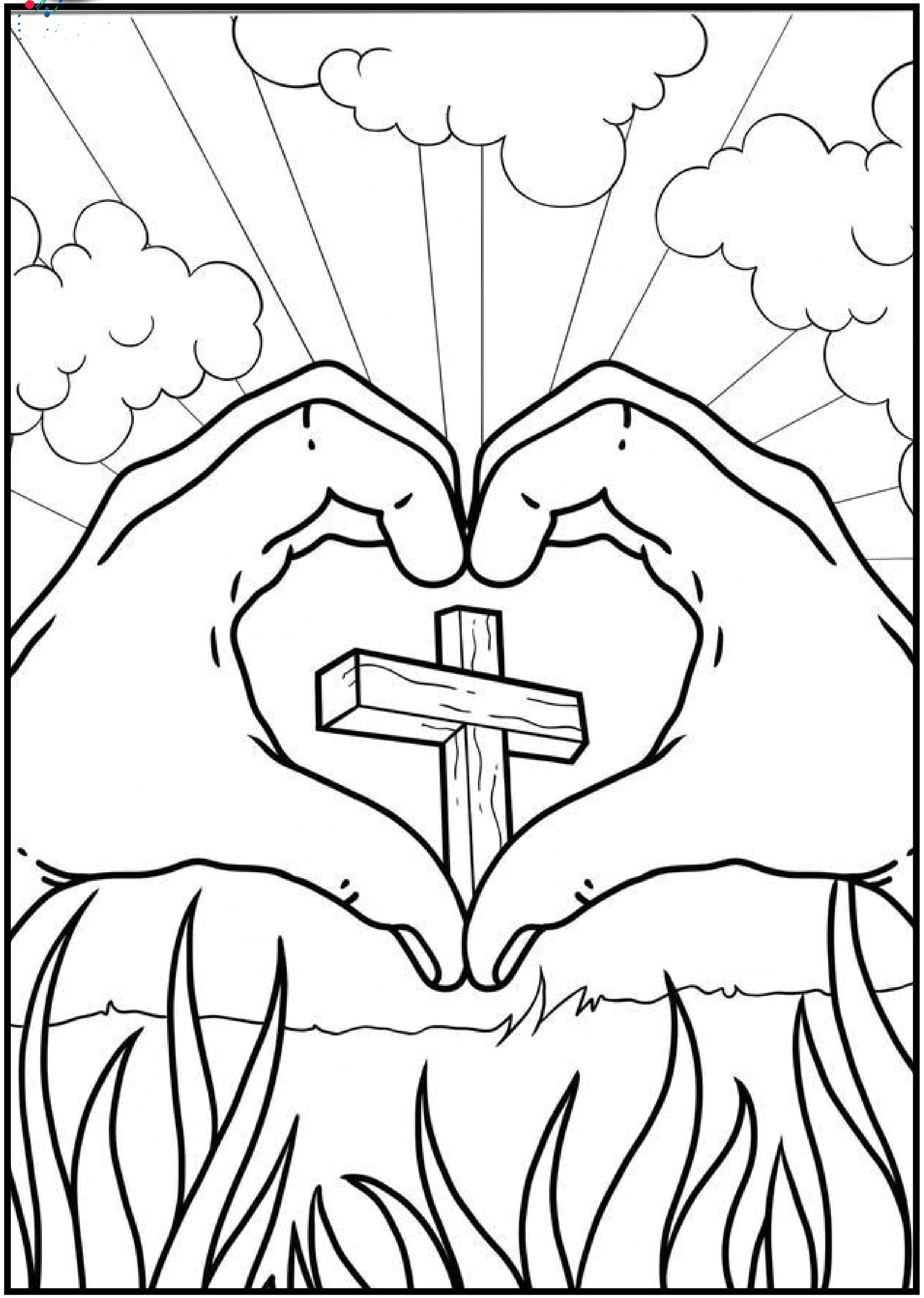

संत जोसेफ

मेरी उपवास-काल (लेंट) की यात्रा:
दान - प्रार्थना - उपवास
राख बुधवार
पोप के लिए प्रार्थना करें।
आज नाश्ते / स्नैक्स से उपवास रखें।
अपना समय दान करें: किसी प्रियजन को फोन करें।
चालीसा का पहला रविवार
काथलिक कलीसिया के लिए प्रार्थना करें।
किसी भी प्रकार के स्क्रीन-टाइम को छोड़ दें (फोन या टीवी न देखें)।
किसी मित्र की मदद करें।
पुरोहितों के लिए प्रार्थना करें।
आज शिकायत न करें।
किसी प्रियजन का धन्यवाद करें।
THANK YOU
चालीसा का दूसरा रविवार
अपने परिवार के लिए प्रार्थना करें।
सोशल मीडिया से उपवास रखें।
गरीबों को दान दें।
शोधनि में आत्माओं के लिए प्रार्थना करें।
आज गुस्सा न करें।
आज सभी बातों के लिए धन्यवाद दें।
चालीसा काल का तीसरा रविवार
अजन्मे बच्चों के लिए प्रार्थना करें।
सभी बुरे विचारों से दूर रहने की प्रार्थना करें।
किसी पड़ोसी की मदद करें।
परिवारों के लिए प्रार्थना करें।
आज टीवी न देखें।
किसी जरूरतमंद के लिए कोई चीज त्यागें।
चालीसा काल का चौथा रविवार
हमारे नेताओं के लिए प्रार्थना करें।
अनावश्यक बातचीत न करें।
गरीबों को भोजन दें।
जो लोग अकेले हैं उनके लिए प्रार्थना करें।
आज मिठाइयों का त्याग करें।
घर के कामों में मदद करें।
चालीसा काल का पाँचवाँ रविवार
बेघर लोगों के लिए प्रार्थना करें।
स्तोत्र ग्रन्थ 51 पढ़ें।
शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें।
आज माँ के कामों में मदद करें।
अपने खिलौने या कपड़े दान करें।
DONATION
आज आलस्य से उपवास रखें।
खजूर रविवार
PALM SUNDAY
बीमारों के लिए प्रार्थना करें।
दिव्य करुणा की माला (Divine Mercy Chaplet) प्रार्थना करें।
संसार भर के पापियों के लिए रोजरी प्रार्थना करें।
पवित्र गुरुवार
पवित्र शुक्रवार
पवित्र शनिवार
ईस्टर रविवार

जीवन का वचन

सीखें और रंग भरें

अच्छी धरती पर गिरे बीज से अर्थ है, वह व्यक्ति जो सुसंदेश को सुनता है और समझता है। वह सफल होता है। वह सफलता बोये बीज से तीस गुना, साठ गुना या सौ गुना तक होती है।"

— मत्ती 13:23

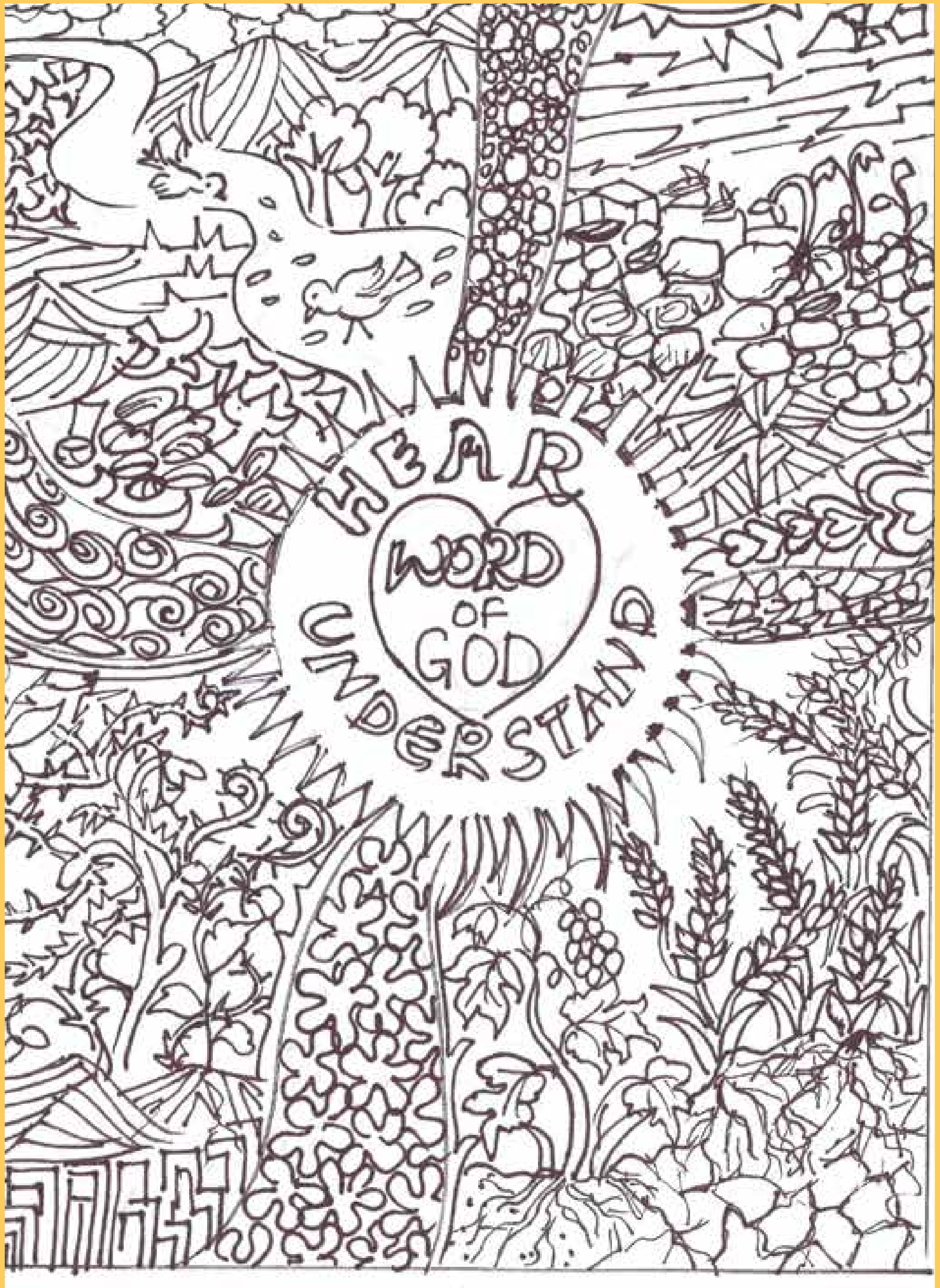

मेरा कैनवास

नन्हे उस्ताद

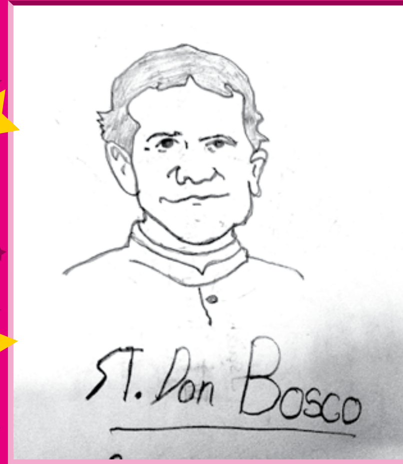

इसायस शिबु » 12 वर्ष
» चेरतला, भारत

नन्हे उस्ताद

जेडन जॉनपॉल » 10 वर्ष
» एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया

एंजेल मारिया » 9 वर्ष
» पुरनाट्टुकरा, भारत

लिडिया मारिया ज़ोमोन » 11 वर्ष
» वाईकॉम, भारत

नन्हे उस्ताद

जॉनाथन जॉनपॉल » 10 वर्ष
» एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया

एलेक्स चानाक्कम » 11 वर्ष
» अरुणाचल प्रदेश, भारत

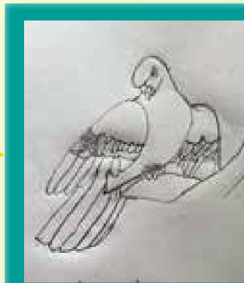

एलेक्स लुएगर » 8 वर्ष
» सेनेका, संयुक्त राज्य अमेरिका

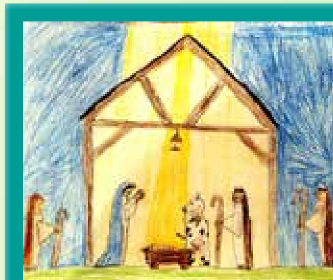

फ्रांसिस फिज़ोल » 6 वर्ष
» ऑस्ट्रेलिया

यदि आप इस पत्रिका के लिए कोई चित्र या लेख भेजना चाहते हैं तो उसे अपने पूरे नाम, उम्र और डाक पते के साथ **kairosbuds@jykairosmedia.org** पर भेजें।

मेरा लेंट (उपवास) यात्रा ट्रैकर

- रोज़ मैरी टॉम

@potterandhisclay

आवश्यक सामग्री

- 2 रंगीन कागज (हो सके तोः लैवेंडर/बैंगनी और सफेद
- स्टेपलर
- स्केल
- पेंसिल
- स्केच पेन

विधि

स्टेप 1
बैंगनी कागज लें और उसके नीचे के हिस्से को चार भाग अंदर की ओर मोड़ें।

स्टेप 2
स्केल की मदद से मुड़े हुए हिस्से को तीन बराबर खंडों में बाँटें। रेखाएँ खींचने के लिए स्केच पेन का उपयोग करें।

स्टेप 3
स्टेपलर लें और खींची गई रेखाओं के साथ–साथ तथा दोनों सिरों पर स्टेपल करें, ताकि तीनों खंड छोटे–छोटे जेब बन जाएँ।

स्टेप 4
प्रत्येक जेब पर प्रार्थना, दान और उपवास लिखें। ऊपर की ओर "MY LENT JOURNEY TRACKER" लिखें और चित्र में दिखाए अनुसार उपवास काल के प्रतीकों से कागज को सजाएँ।

स्टेप 5
सफेद कागज को छोटे–छोटे पट्टियों में काटें। ये रोज की प्रार्थना, उपवास और दान के लिए ट्रैकर पर्चियाँ होंगी।अपने दैनिक त्यागध बलिदान लिखें और उन्हें निर्धारित जेबों में रखें।

स्टेप 6
इसे अपनी प्रार्थना वेदी पर रखें और प्रतिदिन इसका पालन करें।

विश्वास के प्रकाश के माध्यम से ईसाई कला

क्राइस्ट पैन्टोक्रेटर

– डॉ. जिन्टो पोट्टक्कल

कल्पना कीजिए कि आप किसी चर्च में घुसते हैं और आपको ऐसा लगे जैसे आप रंगों और प्रतीकों से बनी एक विशाल कहानी की किताब में आ गए हों! यही है काथलिक आइकनोग्राफी–पवित्र चित्रों की एक दुनिया, जो बिना शब्दों के ही येसु, मरियम, स्वर्गदूतों और संतों के बारे में "बात" करती है। इन चित्रों में छिपे हुए अर्थ होते हैं–जैसे प्रभामंडल (हेलो) जो पवित्रता दर्शाता है, रंग जो गुणों का संकेत देते हैं, और छोटे–छोटे चिन्ह जो बड़ी कहानियाँ सुनाते हैं।

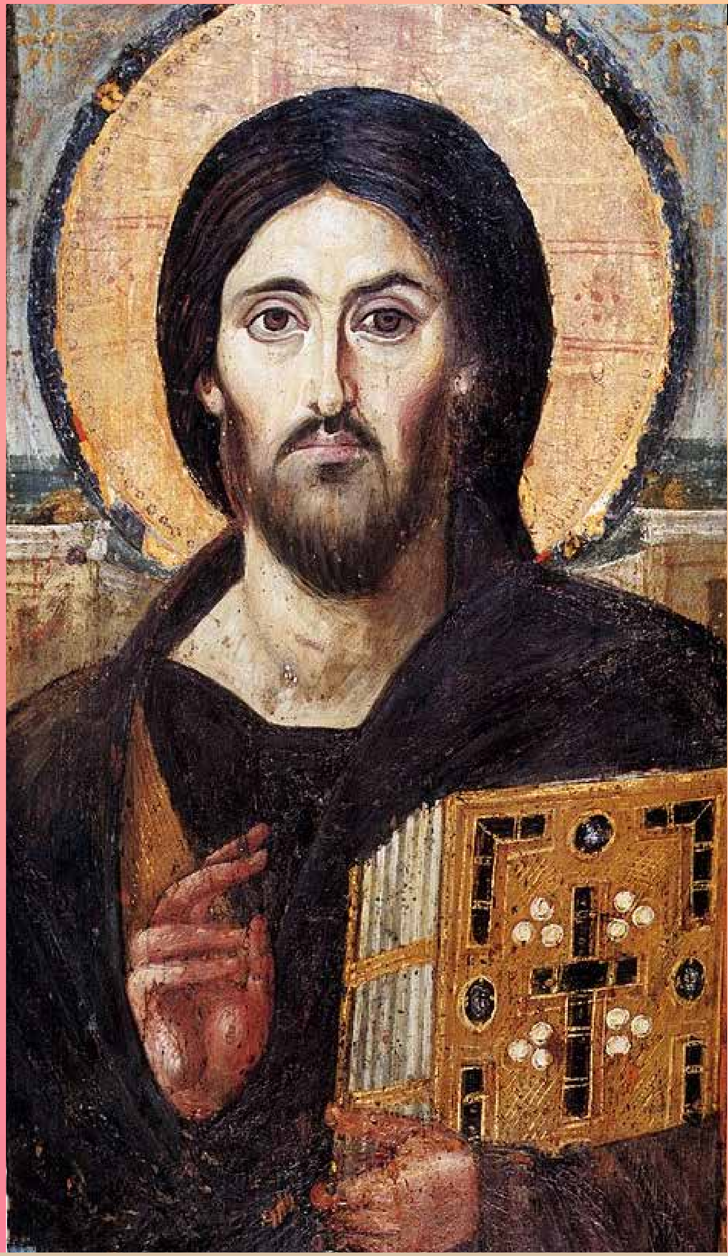

क्राइस्ट पैन्टोक्रेटर येसु मसीह की सबसे प्रसिद्ध प्रतिमाओं (आइकन) में से एक है, जो छठी शताब्दी की है। पैन्टोक्रेटर शब्द ग्रीक भाषा से आया है, जिसका अर्थ हैकृ "सब पर शासन करने वाला" या "सर्वशक्तिमान।"

इस चित्र में येसु को उनके दूसरे आगमन में एक शक्तिशाली राजा और न्यायाधीश के रूप में दिखाया गया है, जो अंतिम न्याय सुनाने वाले हैं। इस आइकन में येसुअपने बाएँ हाथ में रत्नों से सजी एक पुस्तक पकड़े हुए हैं, जो सुसमाचार (गॉस्पेल) का प्रतीक है, और दाएँ हाथ से आशीर्वाद दे रहे हैं। यह संकेत अधिकार और करुणाकृपादानों को दर्शाता है।

मध्यकाल के समय इस आइकन के कई रूप बनाए गए। इसका सबसे पुराना रूप मिस्र में माउंट सीनाई के पास सेंट कैथरीन मठ में सुरक्षित है। इस विशेष आइकन में येसु के चेहरे पर दो अलग–अलग भाव दिखाई देते हैं–दाईं ओर कठोरता और बाईं ओर करुणा। यह उनके दिव्य न्याय और मानवीय दया का प्रतीक है।

इसका एक और रूप "क्राइस्ट द टीचर" (मसीह शिक्षक) कहलाता है, जिसमें येसु खुले हुए ग्रंथ के साथ दिखाए जाते हैं, जो उन्हें ज्ञान और सत्य का स्रोत बताता है।

परंपरागत रूप से, क्राइस्ट पैन्टोक्रेटर का आइकन गिरजाघर के गुंबद में बनाया जाता है, जहाँ से येसु नीचे खड़ी मंडली को देखते हैं–एक बुद्धिमान और दयालु न्यायाधीश के रूप में। यह चित्र उन्हें सर्वोच्च अधिकार, संसार के संरक्षक और दिव्य शक्ति व ज्ञान के प्रतीक के रूप में दर्शाता है।

आइकनोग्राफी में येसु के सिर के चारों ओर सुनहरे रंग का प्रभामंडल दिखाया जाता है। संतों के चित्रों में भी प्रभामंडल होता है, जो उनकी पवित्रता दर्शाता है। लेकिन येसुका प्रभामंडल विशेष होता है–उसमें एक क्रूस बना होता है। इसे क्रूसीफॉर्म हेलो कहा जाता है, जो क्रूस की जीवनदायी शक्ति का प्रतीक है। क्रूस की भुजाओं पर ग्रीक अक्षर IC और XC लिखे होते हैं, जो "येसु मसीह" के संक्षिप्त रूप हैं।

आइकनोग्राफी एक पवित्र कला है, जिसकी शुरुआत काथलिक कलीसिया में हुई। इसमें चित्रों और प्रतीकों के माध्यम से कलीसिया का विश्वास, धर्मशास्त्र और आध्यात्मिकता व्यक्त की जाती है। यह कला उस समय बहुत उपयोगी थी जब बहुत से लोग पढ़ना नहीं जानते थे। चित्रों के माध्यम से लोग अपने विश्वास को समझते और उस पर मनन करते थे। इसी कारण आइकनों को कभी–कभी "रंगों में सुसमाचार" भी कहा जाता है।

ये आइकन बाइबिल की दृष्टांत कथाओं, संतों, स्वर्गदूतों और येसु व मरियम के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।

हर आइकन प्रार्थना और ध्यान के साथ बनाया जाता है। हर रंग, हर संकेत और हर प्रतीक का गहरा अर्थ होता है। उदाहरण के लिए, येसु को अक्सर लाल वस्त्र के ऊपर नीला वस्त्र पहने हुए दिखाया जाता है। यह दर्शाता है कि उनकी दिव्यता मानवता से ढकी हुई है। वहीं, मरियम को लाल वस्त्र में और उसके ऊपर नीले आवरण (मैंटल) के साथ दिखाया जाता है, जो यह दर्शाता है कि मानवता को ईश्वर की दिव्यता ने ढक लिया है।
यह रंग संयोजन अवतार के रहस्य को सुंदर ढंग से प्रकट करता है–ईश्वर का मानव रूप धारण करना और मरियम के माध्यम से मानवता का दिव्यता को धारण करना। आज भी काथलिक आइकनोग्राफी भौतिक और आध्यात्मिक संसार को जोड़ने का काम करती है और हमें स्वर्ग की एक झलक दिखाती है।

मसीह के सितारों की तरह

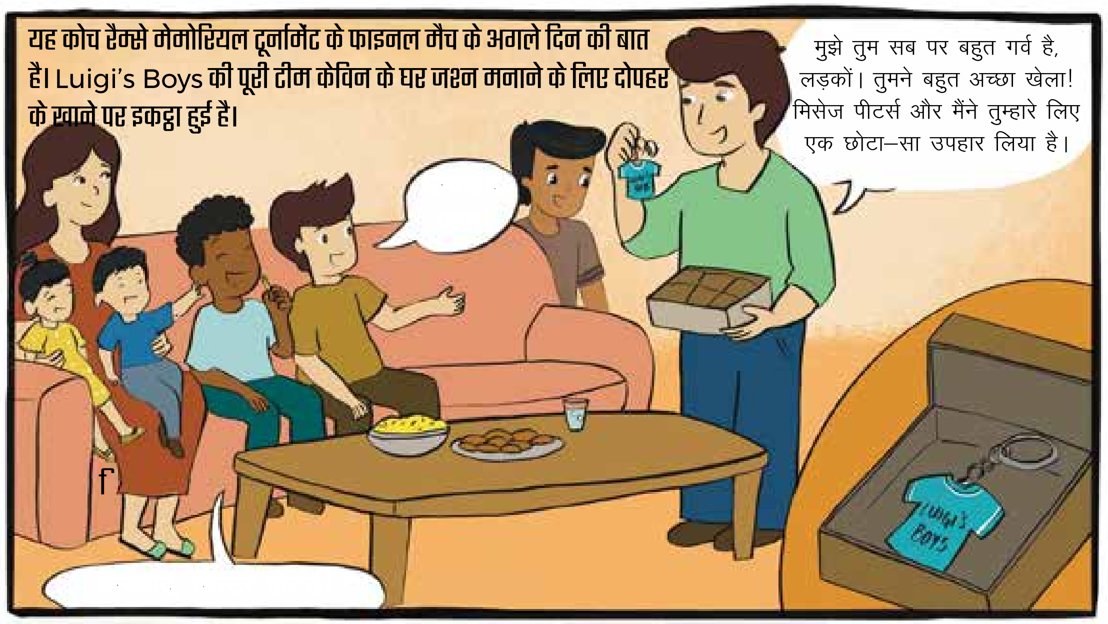

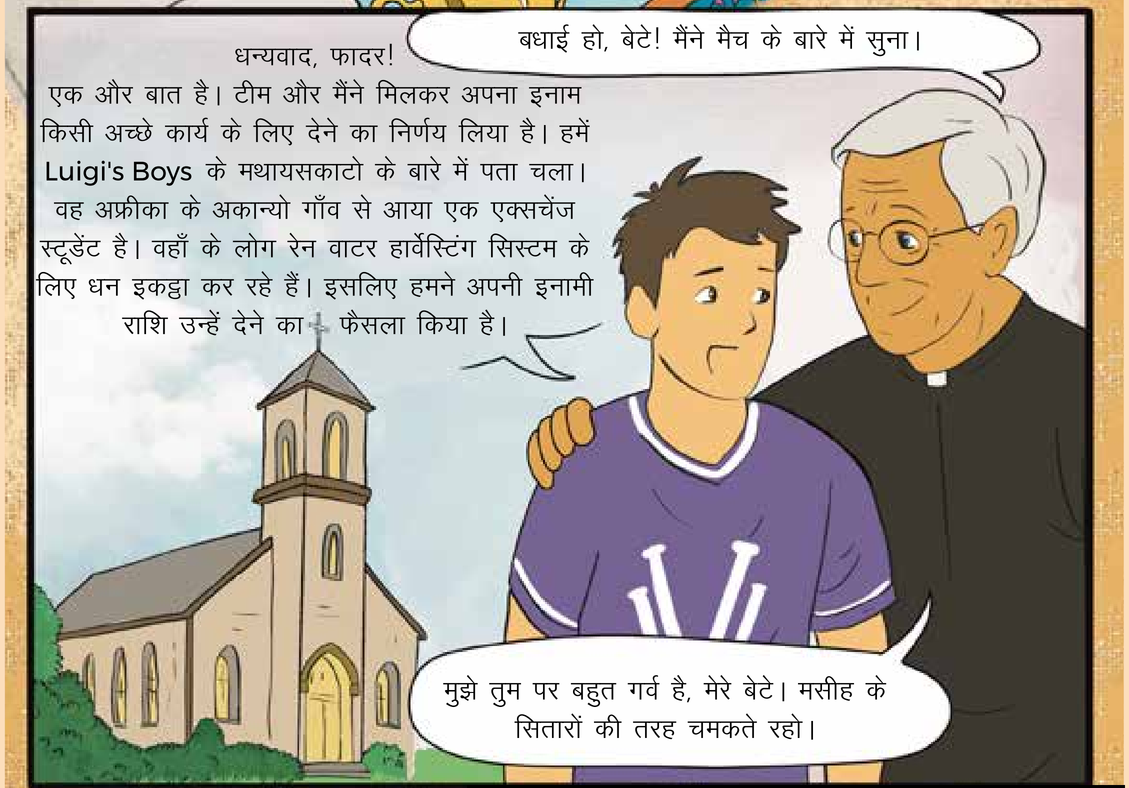

कहानी – तानिया रोज जोसन ILLUSTRATIONS: STEFFI ANDRAT FARIA

परमेश्वर हमारे दिमाग को अच्छा करना कैसे सिखाते हैं?

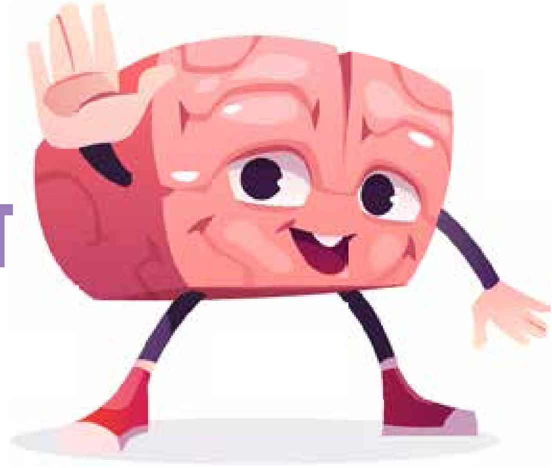

– डॉ. मारिया मेरिन एंटनी

नया साल बिल्कुल एक नई किताब खोलने जैसा होता है, जिसके पन्ने अभी खाली होते हैं। परमेश्वर हमें आमंत्रित करते हैं कि हम इन पन्नों को अच्छे फैसलों, दयालु कार्यों और प्रेम से भरें। काथलिक विश्वास में इन अच्छे निर्णयों को गुण (Virtues) कहा जाता है। गुण अच्छे आदतें होती हैं जो हमें बेहतर इंसान बनने में मदद करती हैं। जैसे रोज दाँत साफ करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, वैसे ही गुणों का अभ्यास करने से हमारा हृदय और आत्मा स्वस्थ रहते हैं।

शुरुआत में सही काम करना कठिन लग सकता है, लेकिन अभ्यास के साथ यह आसान हो जाता है। इसी कारण गुणों को "सुपर आदतें" कहा जाता है।

विज्ञान हमें बताता है कि हमारा दिमाग अभ्यास से सीखता है। जब हम कोई काम बार–बार करते हैं, तो हमारा दिमाग मजबूत रास्ते बना लेता है, जैसे कोई पगडंडी जिस पर चलना आसान हो जाता है। जब हम दया, धैर्य और साहस का अभ्यास करते हैं, तो हमारा दिमाग इन बातों में और अच्छा बनता है। परमेश्वर ने हमारे दिमाग को इतनी सुंदर और अद्भुत तरीके से बनाया है! गुण भी इसी तरह काम करते हैं–जितना अधिक हम उनका अभ्यास करते हैं, उतने ही वे हमारी आदत बन जाते हैं।

हर दिन एक छोटी प्रार्थना, एक दयालु कार्य या एक साहसी निर्णय हमारे दिमाग और आत्मा-दोनों में अच्छी आदतें बना सकता है।

परमेश्वर हमें अपने दैनिक जीवन का मार्गदर्शन करने के लिए चार मुख्य गुण देते हैं।

विवेक (Prudence) हमें सोच–समझकर सही निर्णय लेने में मदद करता है।

न्याय (Justice) हमें बिना किसी भेद–भाव के दूसरों के साथ प्रेम व सम्मान से व्यवहार करना सिखाता है।

धैर्य और साहस (Fortitude) हमें मुश्किल और डरावनी परिस्थितियों में भी बहादुर बने रहने की शक्ति देता है।

संयम (Temperance) हमें अपने व्यवहार को नियंत्रित करना और संतुलित व स्वस्थ निर्णय लेना सिखाता है।

वैज्ञानिक कहते हैं कि आदतें छोटे-छोटे दैनिक कदमों से सबसे अच्छी तरह विकसित होती हैं।

परमेश्वर हमें तीन विशेष उपहार भी देते हैं, जिन्हें धार्मिक गुण (Theological Virtue) कहा जाता है।

विश्वास (Faith) हमें परमेश्वर पर भरोसा करना सिखाता है, तब भी जब हम सब कुछ नहीं समझ पाते।

आशा (Hope) हमें भविष्य की ओर शांति और आनंद के साथ देखने में मदद करती है, क्योंकि हमें परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा होता है।

प्रेम (Charity) हमारे हृदय को बड़ा बनाता है और हमें परमेश्वर से तथा एक–दूसरे से प्रेम करना सिखाता है।

आइए, हम येसु से प्रार्थना करें कि वे हमें इन सुपर आदतों का अभ्यास करने में मदद करें और हमें वैसा प्रेममय इंसान बनने में सहायता दें, जैसा परमेश्वर ने हमें बनाया है।

किड कैथोपीडिया

काथलिक विश्वकोश बच्चों के लिए

– मारिया टेरेस सेबास्टियन

बाबुल

बाइबिल के पुराने नियम में वर्णित एक प्रमुख नगर। यह आधुनिक काल के इराक में स्थित है।

बाइबिलमें बाबुल को सांसारिक शक्ति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो आखिर में ईश्वर के सामने ढह जाती है। यह मानव घमंड और ईश्वर की आज्ञा न मानने के कारण होने वाले खतरों को दर्शाता है। पूरी बाइबिल में बाबुल एक चेतावनी की कहानी के रूप में सामने आता है और ईश्वर की सर्वोच्च प्रभुता की याद दिलाता है।

व्यक्तिगत अनुप्रयोग:

बाबुल इस बात का प्रतीक है कि जब लोग ईश्वर को भूल जाते हैं और यह सोचने लगते हैं कि सब कुछ उनके नियंत्रण में है, तो क्या होता है। यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि हम विनम्र बने रहें और याद रखें कि सच्चे स्वामी ईश्वर ही हैं।

बाइबिल में बाबुल का उल्लेख उत्पत्ति ग्रंथ से लेकर प्रकाशना ग्रंथ तक, कुल 280 बार किया गया है।

पुराने नियम में बाबुल को विभिन्न नामों से पुकारा गया है। इन्हें बाइबिल से खोजिए:

1. एजेकिएल 12:13 ....
2. दानिएल 1:2 या जकर्या 5:11 ....
3. इसायाह 21:1, 9 ....
4. इसायाह 47:5 ....
5. यिरमियाह 50:1, 21 ....
6. यिरमियाह 25:12, 26 ....

उत्तर: 1) खल्दैयियों का देश 2) शिनआर का देश 3) समुद्र के निकट के उजाड़खंड
4) राज्यों की सम्राज्ञी 5) मरातईम का देश 6) शेशक

पहेली

12 छिपी हुई वस्तुएं खोजें

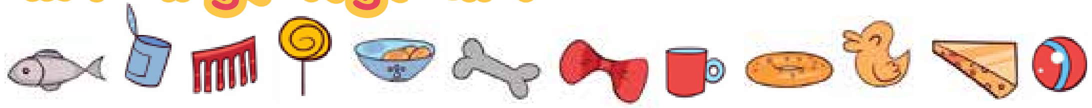

टोनी और टीना

खोया हुआ खजाना – भाग 2

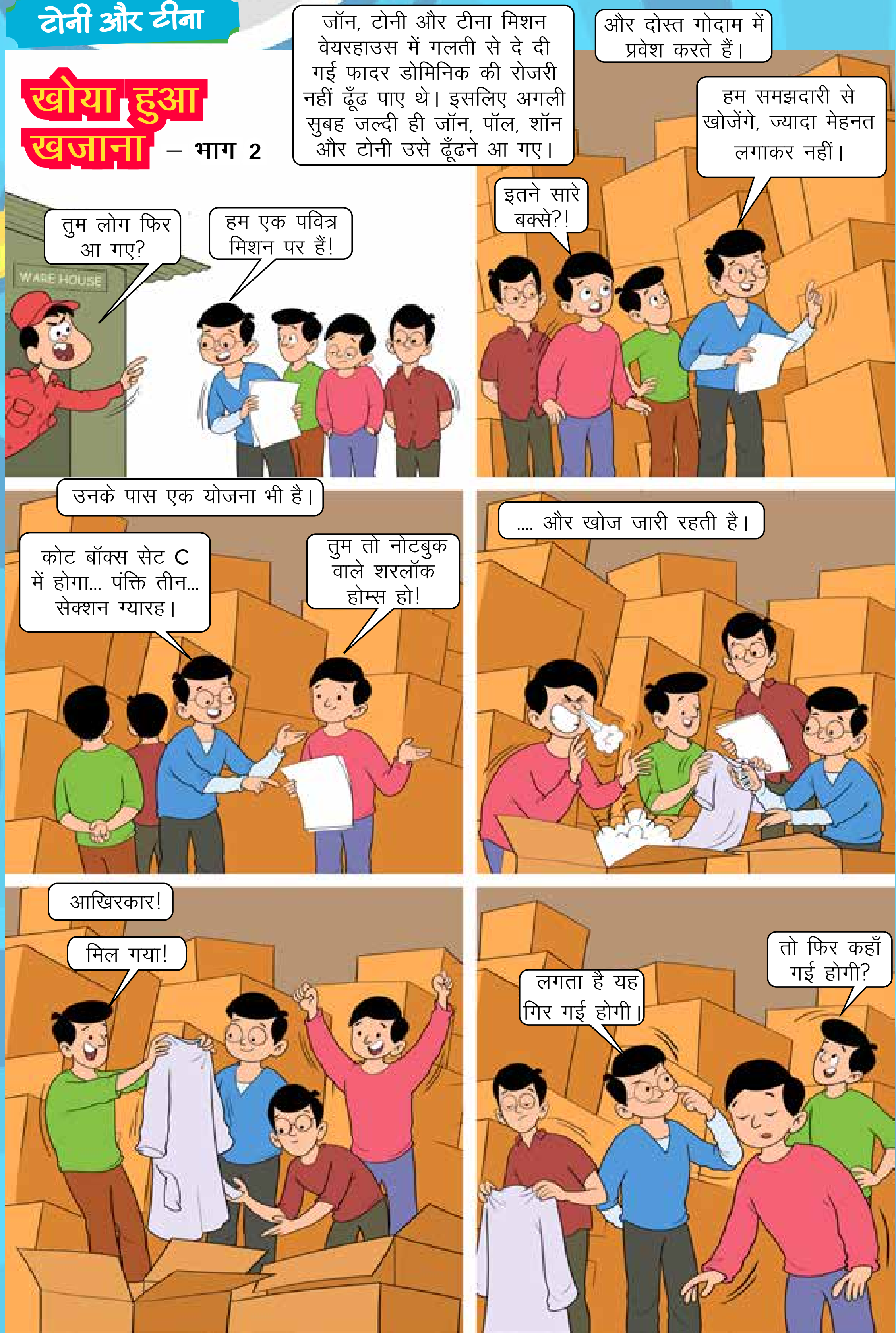

कहानीः अनीश सनी थॉमस ILLUSTRATIONS: SANISH DIVAKARAN

क्रूस-रास्ता शब्द खोज पहेली

नीचे दिए गए ग्रिड में क्रूस–रास्ते से जुड़े रेखांकित (रेखांकित किए गए) शब्दों को खोजिए।

ये	ट	छ	फ	दं	प	रा	ग	क	ब्र	छ	ल	व
रु	ब	च	म	ड	इ	क	तू	उ	ग	श्र	गि	ठों
सा	द	ब	झ	प	ट	या	ग	ते	ज	न	रे	का
ल	र	व	क्ष	ऋ	तु	दू	स	री	अ	ब	त	क
म	ग	मा	ता	चि	त्र	छ	स	ख	र	त	च	ञ
र	ऋ	ज	ब	की	व	स	त्र	भ	य	ढ़	क	ग
प	द	अं	गू	र	इ	बा	कु	रे	ने	म	न	व
म	बा	र	थ	रा	ई	ज्ञा	न	स	मी	ह	द्ब	मु
उ	ञ	पो	हा	क्रू	स	प्र	भ	न	द्र	न्न	प	ख
च	द्य	फ	क	र	ज्ञ	श	री	र	ई	श	व	र

पहला स्थान: येसु को मृत्यु– दंड सुनाया जाता है।

दूसरा स्थान: येसु अपना क्रूस उठाते हैं।

तीसरा स्थान: येसु पहली बार गिरते हैं।

चौथा स्थान: येसु अपनी माता से मिलते हैं।

पाँचवाँ स्थान: कुरेने निवासी सिमोन येसु का क्रूस उठाने में उनकी सहायता करता है।

छठा स्थान: वेरोनिका येसु का मुख पोंछती है।

सातवाँ स्थान: येसु दूसरी बार गिरते हैं।

आठवाँ स्थान: येसु येरुसालेम की स्त्रियों से मिलते हैं।

नौवाँ स्थान: येसु तीसरी बार गिरते हैं।

दसवाँ स्थान: येसु के वस्त्र उतार लिए जाते हैं।

ग्यारहवाँ स्थान: येसु को क्रूस पर ठोंका जाता है।

बारहवाँ स्थान: येसु क्रूस पर प्राण त्यागते हैं।

तेरहवाँ स्थान: येसु का शरीर क्रूस से उतारा जाता है।

चौदहवाँ स्थान: येसु को कब्र में रखा जाता है।

अच्छे हास्य के लिए प्रार्थना

- संत थॉमस मोर

हे प्रभु, मुझे अच्छा पाचन दें और साथ ही पचाने के लिए कुछ दें।
मुझे स्वस्थ शरीर प्रदान करें और उसे बनाए रखने के लिए आवश्यक अच्छा हास्य भी दें।
मुझे एक सरल आत्मा दें, जो हर अच्छी बात को संजोना जानती हो और बुराई को देखकर आसानी से भयभीत न हो, बल्कि चीजों को फिर से सही स्थान पर रखने का उपाय खोज ले। मुझे ऐसी आत्मा दें जो ऊब, कुड़कुड़ाहट, आहें और विलाप से दूर हो, और उस बाधा के कारण अत्यधिक तनाव में न पड़े जिसे 'मैं' कहा जाता है।
हे प्रभु, मुझे अच्छे हास्य की भावना प्रदान करें।
मुझे यह अनुग्रह दें कि मैं मजाक को स्वीकार कर सकूँ,
जीवन में थोड़ा–सा आनंद खोज सकूँ
और उसे दूसरों के साथ बाँट सकूँ।

माता-पिता की प्रार्थना

प्रिय प्रभु,
हम आपको धन्यवाद देते हैं
कि आपने हमें माता–पिता बनने का सौभाग्य
दिया और हमारे बच्चों को हमें उपहार के रूप में दिया।
हम अपने बच्चों को आपके चरणों में अर्पित करते हैं, हे अब्बा पिता,
और उन्हें आपकी पितृ–मय देखभाल में सौंपते हैं। वे सदा यह जानें कि
आप उनसे हम से भी अधिक प्रेम करते हैं।
हे प्रभु, हमें वह अनुग्रह प्रदान करें कि हम अपने बच्चों का पालन–पोषण इस प्रकार कर सकें कि वे आपके संतान कहलाने के योग्य बनें। हमारे हर प्रयास और हमारे हाथों के कार्यों को आशीष दें। हमें सदा मरियम और यूसुफ से शक्ति और सांत्वना प्राप्त होती रहे, और उनसे यह सीखने का अनुग्रह दें कि जैसे उन्होंने येसु का पालन–पोषण किया, वैसे ही हम भी अपने बच्चों को बुद्धि और अनुग्रह में बढ़ने दें।
हे प्रभु, हमारे घर को आशीर्वाद दें। यह वह उपजाऊ भूमि बने जहाँ हमारे अनमोल बच्चे प्रेम और विश्वास में बढ़ें। हम यह भी प्रार्थना करते हैं कि हमारे अपने–प्रियजन और वह स्थान जहाँ हम रहते हैं, हमारे बच्चों पर केवल सकारात्मक प्रभाव डालें।
हे स्वर्गीय पिता, हमारे प्रिय बच्चों के हृदय, मन और आत्मा को अपने लिए जीत लें। हमें यह अनुग्रह दें कि हम सब एक साथ स्वर्ग में आपके सामने स्तुति और धन्यवाद के साथ खड़े हो सकें और आपके मुख का दर्शन करने के योग्य बन सकें।
आमेन।

For Private Circulation Only